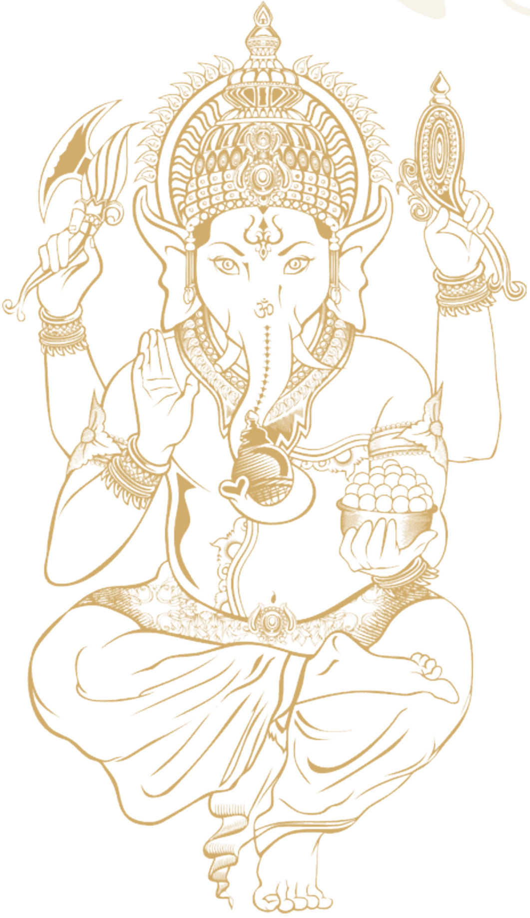

Mr.

10 Jan 2026

08:20 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121143805

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 10/01/2026**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	**: 20:20:00 घंटे**
इष्ट	: 32:41:14 घटी
स्थान	**: Delhi**
देश	: India

अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 19:58:52 घंटे
वेलान्तर	: -00:07:26 घंटे
साम्पातिक काल	: 03:19:26 घंटे
सूर्योदय	: 07:15:30 घंटे
सूर्यास्त	: 17:42:03 घंटे
दिनमान	: 10:26:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 26:08:46 धनु
लग्न के अंश	: 00:43:11 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**: कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**: चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	: मंगल
योग	: सुकर्मा
करण	: बालव
गण	: राक्षस
योनि	: व्याघ्र
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: मानव
वर्ग	: मूषक
युँजा	: मध्य
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	00:43:11	310:35:49	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	---
सूर्य			धनु	26:08:46	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	25:41:53	12:07:35	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	25:52:01	00:46:21	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	19:23:03	01:35:11	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:51:04	00:08:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	27:05:05	01:15:28	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
शनि			मीन	02:34:30	00:04:21	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	16:06:25	00:00:06	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	16:06:25	00:00:06	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:29:42	00:01:14	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:25:45	00:01:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:47:33	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	28:02:52	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

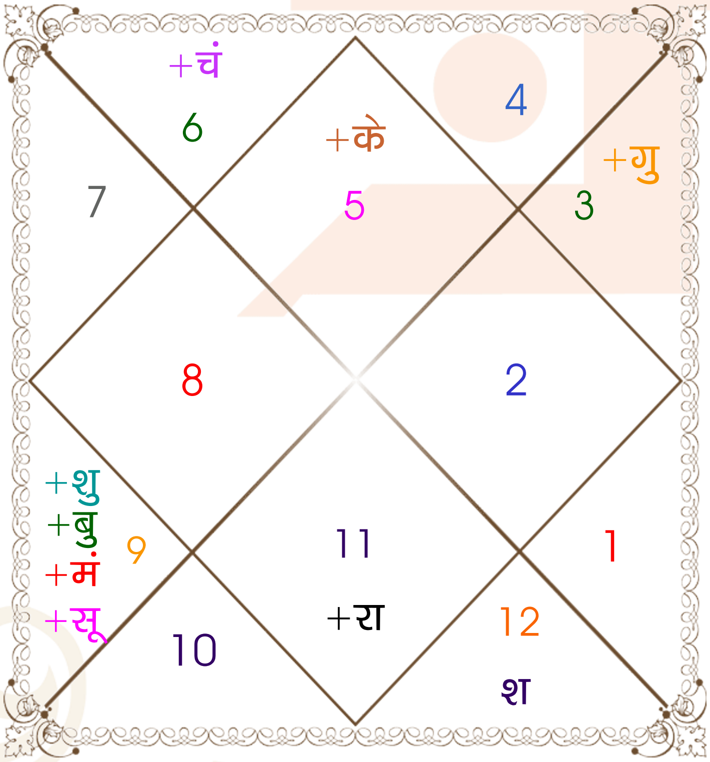

चन्द्र कुंडली

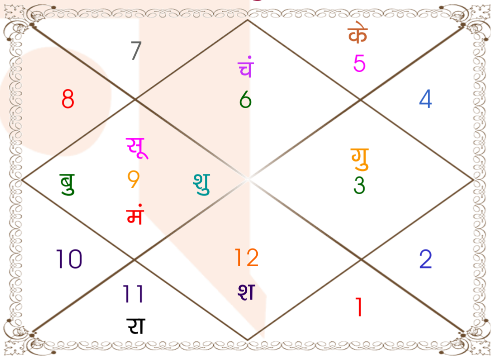

नवमांश कुंडली

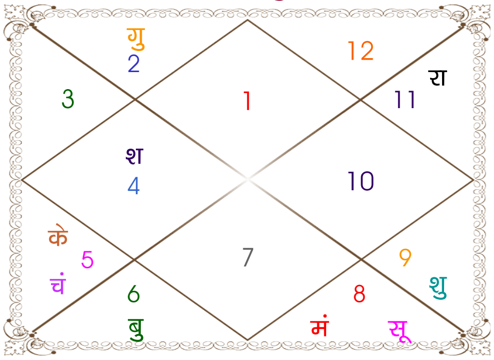

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल

श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०

9628987375

shuklamanishkumar04@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 9 मास 3 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
10/01/2026		**15/10/2031**		**14/10/2049**		**14/10/2065**		**14/10/2084**	
15/10/2031		**14/10/2049**		**14/10/2065**		**14/10/2084**		**15/10/2101**	
	10/01/2026	राहु	27/06/2034	गुरु	02/12/2051	शनि	17/10/2068	बुध	13/03/2087
राहु	31/03/2026	गुरु	19/11/2036	शनि	15/06/2054	बुध	27/06/2071	केतु	09/03/2088
गुरु	06/03/2027	शनि	26/09/2039	बुध	20/09/2056	केतु	05/08/2072	शुक्र	08/01/2091
शनि	14/04/2028	बुध	15/04/2042	केतु	26/08/2057	शुक्र	06/10/2075	सूर्य	14/11/2091
बुध	11/04/2029	केतु	03/05/2043	शुक्र	26/04/2060	सूर्य	17/09/2076	चंद्र	15/04/2093
केतु	08/09/2029	शुक्र	03/05/2046	सूर्य	13/02/2061	चंद्र	18/04/2078	मंगल	12/04/2094
शुक्र	08/11/2030	सूर्य	28/03/2047	चंद्र	15/06/2062	मंगल	28/05/2079	राहु	29/10/2096
सूर्य	16/03/2031	चंद्र	26/09/2048	मंगल	22/05/2063	राहु	03/04/2082	गुरु	04/02/2099
चंद्र	15/10/2031	मंगल	14/10/2049	राहु	14/10/2065	गुरु	14/10/2084	शनि	15/10/2101

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/10/2101		**15/10/2108**		**15/10/2128**		**15/10/2134**		**15/10/2144**	
15/10/2108		**15/10/2128**		**15/10/2134**		**15/10/2144**		**00/00/0000**	
केतु	13/03/2102	शुक्र	14/02/2112	सूर्य	01/02/2129	चंद्र	16/08/2135	मंगल	13/03/2145
शुक्र	13/05/2103	सूर्य	14/02/2113	चंद्र	03/08/2129	मंगल	16/03/2136	राहु	11/01/2146
सूर्य	18/09/2103	चंद्र	15/10/2114	मंगल	09/12/2129	राहु	15/09/2137		00/00/0000
चंद्र	18/04/2104	मंगल	16/12/2115	राहु	03/11/2130	गुरु	15/01/2139		00/00/0000
मंगल	14/09/2104	राहु	15/12/2118	गुरु	22/08/2131	शनि	15/08/2140		00/00/0000
राहु	03/10/2105	गुरु	15/08/2121	शनि	03/08/2132	बुध	14/01/2142		00/00/0000
गुरु	09/09/2106	शनि	15/10/2124	बुध	09/06/2133	केतु	16/08/2142		00/00/0000
शनि	19/10/2107	बुध	16/08/2127	केतु	15/10/2133	शुक्र	15/04/2144		00/00/0000
बुध	15/10/2108	केतु	15/10/2128	शुक्र	15/10/2134	सूर्य	15/10/2144		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 9 मा 6 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न के उदय काल में मेष राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। यह जन्मकालिक संयोजन उत्तम प्रकार की आकृति स्थापित कर आपकों उत्तम प्रकार का व्यवहार कुशल प्राणी बनाया है।

आप जंगल का राजा सिंह के समान हैं। आप सभी प्रकार की स्थिति का पर्यावलोकन करने के लिए समर्थ हैं आपको प्रकृति ने सभी प्रकार के पत्ते को छाँटने के लिए स्वामित्व प्रदान किया है। अर्थात आप सभी प्रकार के कार्य का सम्पादन कर सकते हैं।

प्रकृति ने आपको साहसी आत्मविश्वासी, नेतृत्व करने के गुणों से युक्त एवं समृद्धवान बनाया है। आप अच्छी प्रकार सोच विचार कर किसी भी विषय में कार्य करें तो आप विजयी हो सकते हैं। परन्तु विषय वस्तु को भली प्रकार अर्थात् सावधानी पूर्वक अग्रसारित करें। आप अन्य लोगों पर अपनी विश्वसनीयता का पूर्ण प्रभाव प्रदर्शित करते हैं। आप मुक्त हस्त से धन का दुरूपयोग करेंगे तो सन्देह है कि आप इस प्रकार समर्थ नहीं हो सकेंगे। फलस्वरूप इस प्रकार धन का दुरूपयोग करना शोभनीय नहीं है। आप ऐसा अनुभव करें जब आप वृद्धावस्था को प्राप्त होंगे तब तक आपके बैंक का शेष क्षीण हो जाएगा और आप धन के मामले में कमजोर हो जाएंगे। अन्य तथ्य यह है कि जब आपके धन की थैली अन्य के सहयोग में खर्च हो जाएंगे तथा आप इस प्रकार उदारता बरतने के अभिलाषी रहे तो आपकी आकांक्षा अधूरी रह जाएगी। अतः आप दृढ़तापूर्वक अपनी (फिजूल खर्ची) अपव्यय को नियंत्रित करना परमावश्यक है। अतः आप इस प्रवृति का परित्याग करें अन्यथा आपके जीवन के अन्त समय में धन का अभाव कष्टदायक एवं अनुभव पूर्ण रहेगा।

आपकी प्रवृति धार्मिक है। आप धर्मपारायण एवं अपने माता-पिता के प्रति निष्ठावान हैं। आपकी अभ्युक्ति सेवा भावना की रहती है तथा आप विश्वास पूर्वक मानव सेवा को भगवान की सेवा समझते हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए अभावग्रस्त व्यक्तियों को निश्चित रूप से दान करना अनिवार्य है। अर्थात् आप पर्याप्त मात्रा में दान करने में सुखानुभूति करते हैं।

आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप भव्य, दीर्घकाय, चौड़े कन्धे वाले मुलायम और घने बालों वाले समय से पूर्व गंजा हो जाने वाले, वर्त्तमान काल के प्रभावशाली हुक्म चलाने वाले एवं प्रतिभा सम्पन्न दबंग व्यक्ति है। इसलिए आपके अनुकूल पद-प्रतिष्ठा हेतु प्रबन्धक भारी उद्योग/कम्पनी के उच्चाधिकारी या निगम के उच्चाधिकारी का पद उपयुक्त है। आरामदायक वस्तुओं का निर्माण करना अथवा ट्रेडिंग का कार्य करने से अच्छी आय होगी। विडियों कैमरा का कार्य व्यवसाय भी उत्तम होगा। अथवा इसके अतिरिक्त आप व्यवसायों में वित्तीय व्यवसाय बन्धक कार्य, भूमि भवन सम्बंधी क्रय-विक्रय, किराया, भूमि एवं कृषि कार्य अथवा पठन-पाठन, शैक्षणिक संस्थान का संचालन कार्य व्यवसाय भी आपके योग्य है।

सिंह लग्न/राशीय प्रभावित गुणों के आधार पर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। संयोगवश यदा-कदा ज्वर पीड़ा से आक्रान्त भी हो सकते हैं परन्तु शीघ्रतापूर्वक आरोग्य लाभ

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

प्राप्त कर लेंगे। क्योंकि आप के शरीर में लौह गुण (शक्ति) विद्यमान है। इसके बाद सिंह राशीय निर्देशानुसार आप हृदय रोग, पीठ के रीढ़ की हड्डी रोगादि आपके स्वास्थ्य में न्यूनता ला सकता है। परिणाम स्वरूप हृदय की धड़कन शोथ रोग तथा सिर में चक्कर आना संभाव्य है। अस्तु उत्तम तो यह होगा कि आप अधिक भोजन करना तथा अत्यधिक मद्यपान करने वाली प्रवृति का त्याग करें। यदि आप पूर्णिमा का व्रत रखें तो यह अनिष्टकारी प्रभाव से रक्षा करने में सहायक होगा। आप प्रसन्नतम एवं आनन्ददायक पारिवारिक जीवन तथा स्वस्थ सन्तान एवं समझदार पत्नी को सुख प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 2 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है। आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे। ब्लू, सफेद एवं काला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com